# फीफा विश्व कप 2026 : स्पेन ने फ्रांस को हराकर फाइनल में बनाई जगह

डलास

मौजूदा यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को मंगलवार को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच खेले गए इस बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल में स्पेन ने शुरुआत से अंत तक दबदबा बनाए रखा, जबकि फ्रांस की टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी।

अब स्पेन का सामना रविवार को फाइनल में इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। दूसरी ओर फ्रांस अब तीसरे स्थान के मुकाबले में खेलेगा, जो मुख्य कोच दिदिएर डेशां के 14 वर्षीय कार्यकाल का अंतिम मैच भी होगा।

**पहले और दूसरे हाफ में दागे गोल** - स्पेन ने पहले हाफ में बढ़त बनाई, जब मिकेल ओयारजाबाल ने पेनाल्टी को गोल में बदल दिया। यह पेनाल्टी तब मिली जब फ्रांस के लुकास डिन ने लामिन यामाल को गेंद क्लियर करने के प्रयास में फाउल कर दिया।

दूसरे हाफ में दानी ओल्मो के बेहतरीन मूव पर पेड्रो पोरो ने शानदार फिनिश करते हुए दूसरा गोल दागा और स्पेन की जीत लगभग तय कर दी।

**फ्रांस का आक्रमण पूरी तरह रहा बेअसर** - पूरे मुकाबले में फ्रांस की टीम स्पेनिश रक्षा पंक्ति को नहीं तोड़ सकी। कप्तान किलियन एमबाप्पे पूरी तरह स्पेन के खिलाड़ियों की पकड़ में रहे, जबकि बैलन डीओर विजेता उस्मान डेम्बेले भी कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके।

दूसरा गोल खाने तक फ्रांस केवल दो शाट ही लगा पाया था और उनमें से एक भी निशाने पर नहीं था। टीम के सबसे प्रभावशाली रचनात्मक खिलाड़ी माइकल ओलिसे को भी 72वें मिनट में मैदान से बाहर जाना पड़ा, जिससे साफ हो गया कि फ्रांस का आक्रमण पूरी तरह विफल रहा।

**स्पेन ने लगातार तीसरी बार फ्रांस को हराया** - स्पेन ने लगातार तीसरी बड़ी प्रतियोगिता में फ्रांस को हराया है। इससे पहले उसने यूरो 2024 के सेमीफाइनल और 2025 नेशंस लीग के सेमीफाइनल में भी फ्रांस को मात दी थी।

इसके साथ ही स्पेन का सभी प्रतियोगिताओं में अपराजेय अभियान 37 मैचों तक पहुंच गया, जो किसी भी यूरोपीय देश की संयुक्त रूप से सबसे लंबी अपराजेय श्रृंखला है। अब स्पेन 2010 की तरह यूरोपीय चैम्पियनशिप और विश्व कप दोनों खिताब जीतने की दहलीज पर खड़ा है।

**कोच ने कहा- दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है स्पेन** - स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने जीत के बाद कहा, हमने लगभग चार साल पहले एक सोच के साथ शुरुआत की थी और आज तक उसी पर कायम हैं। उसी सोच ने हमें यहां तक पहुंचाया है। आज हमने दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक का सामना किया, लेकिन उनके सामने दुनिया की सबसे बेहतरीन टीम थी। यही सबसे बड़ा अंतर रहा। उन्होंने खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा, ये खिलाड़ी हर सम्मान के हकदार हैं। उन्होंने हर दिन अपनी प्रतिबद्धता, एकजुटता, उदारता और प्रतिभा का परिचय दिया है। ये खिलाड़ी मुश्किल काम को भी आसान बना देते हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### महिला क्रिकेट को नई दिशा देने घरेलू स्तर पर लाल गेंद के मुकाबले शुरु करें : शांता रंगास्वामी

**चेन्नई।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान शांता रंगास्वामी ने कहा है कि महिला क्रिकेट को एक नई दिशा देने और खिलाड़ियों के कौशल को निखारने के लिए अधिक से अधिक टेस्ट मैचों का आयोजन किया जाना चाहिये। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से घरेलू स्तर पर लाल गेंद की क्रिकेट को पूरी तरह से दोबारा शुरू करने की मांग की है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार बेहतर तकनीक वाले खिलाड़ियों को तैयार करने में लाल गेंद के क्रिकेट का महत्व सबसे अधिक है। रंगास्वामी ने कहा, जब मैं बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की सदस्य थी, तो मैंने अक्सर महिला क्रिकेट में लंबी अवधि के प्रारूप की प्रतियोगिताओं के आयोजन पर जोर दिया था। पिछले साल इसे फिर से शुरू किया गया, पर यह केवल अंतरक्षेत्रीय स्तर पर और वह भी नाकआउट प्रारूप में ही सीमित रही जो पर्याप्त नहीं है। उन्होंने बीसीसीआई से कहा है कि वह अंडर-19, अंडर-23 और सीनियर टीमों के लिए पहले की तरह ही टेस्ट मेचों की प्रतियोगिताओं को शुरू करे। साथ ही कहा कि हमारी महिला क्रिकेटरों के कौशल को निखारने और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने लायक बनाने के लिए यही एकमात्र प्रभावी तरीका है। रंगास्वामी ने कि लंबी अवधि का प्रारूप ही क्रिकेट के मूलभूत सिद्धांतों और बेहतर तकनीक वाले क्रिकेटर तैयार करने में अहम भूमिका निभाता है। इससे निकलकर पाये खिलाड़ी ही सीमित ओवरों के प्रारुप में भी सफल होते हैं।

### बल्लेबाज हनूमा ने गंभीर पर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को ही अवसर देने का आरोप लगाया

**मुम्बई।** भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज हनुमा विहारी ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर जमकर निशान साधा है। हनुमा ने कहा है कि गंभीर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को वरीयता देते है। इसी कारण आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। हनुमा ने कहा कि खराब फार्म के बाद भी आलराउंडर शिवम दुबे और वाशिंगटन सुंदर को लगातार अवसर दिये जा रहे है। इसका कारण है कि उनके कुछ पसंदीदा खिलाड़ी हैं जिन्हें वह लगातार अवसर देना चाहते हैं। फिर चाहे वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों यहा नहीं। इस क्रिकेटर ने टीम में कुछ खिलाड़ियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, शिवम न तो अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, न ही बल्लेबाजी फिर भी हर मैच में नजर आ रहे हैं।। साथ ही कहा कि वाशिंगटन सुंदर अभी भी टीम में क्यों बने हुए हैं जबकि पिछले कुछ समय में एक बार भी वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। हनुमा री ने टीम में लगातार बदलावों को लेकर भी गंभीर की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अनुभवी संजू सैमसन को आयरलैंड में दो अवसर देन के बाद बाहर कर दिया गया, और फिर वैभव सूर्यवंशी के साथ भी यही हुआ। इससे टीम में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। उन्होंने कहा, अगर आप प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो आपको बाहर कर दिया जाएगा। आपको खिलाड़ियों को लंबा अवसर देना चाहिए। अगर आप वैभव को शामिल कर रहे हैं तो उसे कम से कम उसे पांच या छह मैच दें और फिर तय करें कि वह काफी अच्छा है या नहीं। मुझे नहीं लगता कि यह सही रवैया है। खिलाड़ियों के लिए सुरक्षा जरूरी है। स्पिनरों के चयन पर भी उन्होंने सवाल उठाए, चाहे वह वरुण चक्रवर्ती हों, अक्षर पटेल या रवि बिश्नोई।

### भारतीय टेबल टेनिस ने रचा इतिहास, विश्व टाप-10 में पहुंचीं तीन जोड़ियां

**नई दिल्ली।** भारतीय टेबल टेनिस ने मंगलवार को नई उपलब्धि हासिल की। अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) की ताजा विश्व रैंकिंग में भारत की तीन जोड़ियां पुरुष, महिला और मिश्रित डबल्स में एक साथ शीर्ष-10 में पहुंच गई हैं। यह पहली बार है, जब तीनों डबल्स वर्गों में भारत की मौजूदगी एक साथ विश्व के शीर्ष-10 में दर्ज हुई है। इस उपलब्धि की अगुआई मानव ठक्कर और मानुष शाह की जोड़ी ने की, जिसने पुरुष डबल्स में विश्व नंबर-2 रैंकिंग हासिल की। यह किसी भी डबल्स वर्ग में किसी भारतीय जोड़ी की अब तक की सर्वोच्च विश्व रैंकिंग है। महिला डबल्स में दिया चितले और यशस्विनी घोरपड़े पहली बार विश्व नंबर-10 पर पहुंचीं, जबकि मिश्रित डबल्स में दिया चितले और मानुष शाह की जोड़ी विश्व नंबर-5 पर काबिज हो गई। लास एंजिल्स ओलंपिक से पहले बढ़ा भरोसा यह उपलब्धि ऐसे समय आई है, जब लास एंजिल्स ओलंपिक-2028 में डबल्स स्पर्धाओं की वापसी होने जा रही है। भारतीय जोड़ियों का मौजूदा प्रदर्शन ओलंपिक तैयारियों के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और चीनी ताइपे जैसी पारंपरिक ताकतों के बीच भारत ने डबल्स वर्ग में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। ताजा रैंकिंग इस बात का संकेत है कि भारतीय टेबल टेनिस अब केवल एकल स्पर्धा तक सीमित नहीं, बल्कि तीनों डबल्स वर्गों में भी विश्व की अग्रणी टीमों को चुनौती देने की स्थिति में पहुंच चुका है।

# एशियन गेम्स से पहले ग्लासगो में होगी असली परीक्षा भारतीय धावकों ने बताया क्यों कठिन है पदक जीतना

नई दिल्ली

**भारत के शीर्ष 400 मीटर धावकों का मानना है कि आगामी कामनवेल्थ गेम्स 2026 में पदक जीतना इस साल होने वाले एशियन गेम्स की तुलना में अधिक कठिन होगा। उनका कहना है कि ग्लासगो में मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा एशियन गेम्स से पहले खुद को परखने का बेहतरीन अवसर साबित होगी। 23 जुलाई से शुरू हो रहे कामनवेल्थ गेम्स में भारत 32 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम उतारेगा। इसके लगभग दो महीने बाद एशियन गेम्स का आयोजन होगा।**

### कामनवेल्थ गेम्स में प्रतिस्पर्धा ज्यादा कठिन

पुरुष 400 मीटर और मिश्रित 4×400 मीटर रिले में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले विशाल थेन्नारासु कयालविझी ने कहा कि ग्लासगो में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे मजबूत देशों के धावकों की मौजूदगी भारतीय एथलीटों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा, कामनवेल्थ गेम्स कठिन है, लेकिन अगर हम अच्छी तैयारी करें तो पदक जीतना संभव है। कोई भी बड़ा टूर्नामेंट आसान नहीं होता, चाहे वह एशियन गेम्स हो या कामनवेल्थ गेम्स। मेरे लिए यह खुद को साबित करने का बड़ा मौका है और मैं वहां अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा।

### पर्सनल बेस्ट प्रदर्शन पर रहेगा फोकस

22 वर्षीय विशाल फिलहाल सरकार की ओर से प्रायोजित 45 दिन के अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए पोलैंड के स्पाला रवाना हुए हैं। 60 सदस्यीय भारतीय दल में 41 खिलाड़ी और 19 कोच व सपोर्ट स्टाफ शामिल हैं। विशाल ने कहा कि ग्लासगो में उनका पहला लक्ष्य दोनों स्पर्धाओं में अपना पर्सनल बेस्ट टाइम हासिल करना होगा।

फेडरेशन कप (रांची) में 400 मीटर में 44.98 सेकेंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया।

वर्ल्ड रिले (गाबोरोन, बोत्सवाना) में पुरुष 4×400 मीटर रिले में 3:00.32 मिनट का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

मिश्रित 4×400 मीटर रिले में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 3:14.81 मिनट है, जो उन्होंने पिछले वर्ष चीन में आयोजित वर्ल्ड रिले में दर्ज किया था।

### जय कुमार बोले- एशियन गेम्स मुख्य लक्ष्य, लेकिन सीडब्ल्यूजी ज्यादा चुनौतीपूर्ण

भारतीय धावक जय कुमार ने भी माना कि कामनवेल्थ गेम्स एशियन गेम्स की तुलना में ज्यादा कठिन प्रतियोगिता होगी, हालांकि इस साल उनका मुख्य लक्ष्य एशियन गेम्स में अच्छा प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा, इस साल मेरा मुख्य लक्ष्य एशियन गेम्स है। इंटर-स्टेट और फेडरेशन कप मेरे लिए महत्वपूर्ण प्रतियोगिताएं थीं और वहां मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा। अब मैं 45 दिन के प्रशिक्षण शिविर के लिए पोलैंड जा रहा हूं और उसके बाद अपनी स्थिति का आकलन करूंगा।

उन्होंने आगे कहा, कामनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स दोनों में पदक जीतना आसान नहीं होगा। अगर 400 मीटर की बात करें तो कामनवेल्थ गेम्स में विजेता खिलाड़ियों का समय आमतौर पर 43 से 45 सेकेंड के बीच रहता है, जबकि हाल के वर्षों में एशियन गेम्स में यह समय 45 सेकेंड से ऊपर रहा है।

### कामनवेल्थ गेम्स एशियन गेम्स की तैयारी का बड़ा मंच

भारतीय 400 मीटर धावकों का मानना है कि ग्लासगो में मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा उन्हें अपनी कमियों को पहचानने और प्रदर्शन में सुधार करने का अवसर देगी। ऐसे में कामनवेल्थ गेम्स न केवल पदक की चुनौती होगी, बल्कि एशियन गेम्स की तैयारी के लिए भी एक अहम परीक्षा साबित होगा।

# बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप अगले माह, भारतीय दल की अगुवाई करेंगी सिंधु

नई दिल्ली

**बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी। इसमें 10 सदस्यीय भारतीय बैडमिंटन टीम की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु करेगी। बीडब्ल्यूएफ ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफिकेशन सूची जारी कर दी है, जिसमें भारत के कुल 10 खिलाड़ियों को पांच स्पर्धाओं में उतरने का अवसर मिला है। इन खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी भी शामिल है।**

सिंधु को बीडब्ल्यूएफ के नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रा में जगह मिली है। यह क्वालिफिकेशन सूची 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित है, जिसमें पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और प्रत्येक युगल स्पर्धा में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। नियमानुसार, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रत्येक वर्ग में भारत के दो खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश मिला है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी करेंगे, जिन्होंने अपनी रैंकिंग के बल पर प्रवेश हासिल किय है।

वहीं, महिला एकल में सिंधु के साथ उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी जगह मिली है। पुरुष यगल में सात्विकसाईराज रंकोरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को भी शामिल किया गया है। पुरुष युगल की बात करें तो हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन को अवसर मिला है।

दूसरी ओर महिला युगल में 30वें स्थान पर कायम ट्रेसा जाली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भारत की ओर से चुनौती पेश करेगी, जबकि कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी ने दूसरी भारतीय जोड़ी के रूप में प्रवेश हासिल किया है। मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान के साथ अपनी जगह बनाई है, और उनके साथ रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे देश के लिए दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी के तौर पर खेलेंगे।

इनके अलावा रिजर्व सूची में पुरुष एकल में विश्व चैंपियनशिप किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, तथा महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर हैं।बीडब्ल्यूएफ ने यह भी कहा है कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है।

### विश्व कप का जुनून : दुर्गापुर में मिठाईयों से बनाई गई लियोनेल मेसी की अनोखी प्रतिमा

**दुर्गापुर।** विश्व कप फुटबाल का रोमांच बढ़ने के साथ ही अर्जेंटीना और उसके स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी को लेकर प्रशंसकों का उत्साह भी चरम पर है। इसी उत्साह को खास अंदाज में पेश करते हुए पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर के वार्ड नंबर 24 स्थित मामड़ा बाजार की एक मिठाई की दुकान में पूरी तरह मिठाइयों से लियोनेल मेसी की आकर्षक प्रतिमा तैयार की गई है। इस अनोखी प्रतिमा को देखने के लिए बड़ी संख्या में फुटबाल प्रेमी दुकान पर पहुंच रहे हैं। लोग प्रतिमा के साथ सेल्फी ले रहे हैं और मेसी-मेसी तथा विवा अर्जेंटीना के नारों से पूरा इलाका गूंज रहा है। विश्व कप के माहौल में मामड़ा बाजार मानो फुटबाल प्रेमियों के लिए उत्सव स्थल बन गया है। दुकान के मालिक देवाशीष घोष ने बताया कि वह बचपन से ही अर्जेंटीना के समर्थक और लियोनेल मेसी के बड़े प्रशंसक हैं। वर्ष 2022 की तरह इस बार भी उन्होंने मेसी की मिठाई से बनी प्रतिमा तैयार की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार भी विश्व कप की ट्राफी मेसी के हाथों में ही पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि लगभग डेढ़ किलोग्राम खोया, खीर, सफेद और डार्क चाकलेट का उपयोग कर घर में ही इस प्रतिमा को तैयार किया गया है। उनके अनुसार यह केवल फुटबाल प्रेम का प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी है।

# अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लिए डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम जारी रहेगा : आईसीसी

एडिनबर्ग

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने एक अहम फैसले में अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लिए डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम को जारी रखने की घोषणा की है। इस ऐतिहासिक फैसले के साथ ही आईसीसी बोर्ड ने एक विशेष टास्क फोर्स का भी गठन किया है, जिससे साल 2030 तक इन महिला खिलाड़ियों को आईसीसी के क्वालिफिकेशन पाथवे में शामिल करने के लिए भविष्य की योजना बनायी जा सके। जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आईसीसी की इस सालान बोर्ड बैठक में स्वतंत्र निदेशक डा. रोज रिवाज और आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति की सदस्य सारा कीन को भी स्पेशल टास्क फोर्स में शामिल किये जाने पर सहमति बन गयी। ये दोनों ही बीसीसीआई, क्रिकेट आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर काम करेंगे। इस टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य महिला क्रिकेट कार्यक्रम की लगातार निगरानी करना है, जिससे खिलाड़ियों को अधिक से अधिक अवसर मिल सकें।

डा. रास रिवाज ने इस अवसर पर कहा, टास्क फोर्स को एक स्पष्ट और टिकाऊ रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसका लक्ष्य संरचित कोचिंग, सार्थक प्रतिस्पर्धी अवसरों और सही हाई-परफार्मेंस पाथवे के माध्यम से अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लगातार विकास में सहायता करना है। डा. रिवाज ने साथ ही कहा कि यह कार्यक्रम क्रिकेट के माध्यम से अवसर पैदा करने की आईसीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को उद्देश्य, ईमानदारी और दीर्घकालिक स्थिरता के साथ पूरा करने के लिए टास्क फोर्स के अन्य सदस्यों और डिलीवरी पार्टनर्स के साथ मिलकर काम करने की अपनी उत्सुकता व्यक्त की।

यह समर्थन केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें उनके घरेलू इलाकों में क्रिकेट और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग (एसएंडसी) कोच के साथ-साथ फिजियोथेरेपी की सुविधा भी शामिल है। धीरे-धीरे, खिलाड़ियों के लिए खेल के समय को भी बढ़ाया जाएगा। आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा जैसे देशों में रहने वाली खिलाड़ियों को अपने स्थानीय क्रिकेट वातावरण में एकीकृत किया जाएगा, जहाँ उन्हें नियमित प्रशिक्षण और खेलने के पर्याप्त अवसर मिलते रहेंगे। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के तहत खिलाड़ियों को एक समूह के रूप में प्रशिक्षण लेने और मुकाबले में भाग लेने के अवसर मिलते रहेंगे, जैसा कि पिछले 12 महीनों में भारत और इंग्लैंड के सफल दौरों के दौरान देखा गया था।

# अक्षर के आलराउंड प्रदर्शन से भारत ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया, सीरीज में बनाई बढ़त

बर्मिंघम

**आलराउंडर अक्षर पटेल के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन और शुभमन गिल व वाशिंगटन सुंदर की बेहतरीन अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को 6 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। एजबेस्टन में खेले गए मुकाबले में भारत ने 259 रन का लक्ष्य 45.2 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।**

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रोहित शर्मा (11) और विराट कोहली (5) सस्ते में पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर (35) ने तीसरे विकेट के लिए 101 रन जोड़कर पारी संभाली। गिल ने 80 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन क्रैम्प्स के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। श्रेयस रन आउट हुए और केएल राहुल बोल्ड हो गए। इसके बाद अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाते हुए पांचवें विकेट के लिए नाबाद 102 रन की साझेदारी की। अक्षर ने नाबाद 57 रन, जबकि सुंदर ने नाबाद 52 रन बनाए। सुंदर ने आदिल रशीद पर विजयी छक्का लगाकर अपना अर्धशतक भी पूरा किया और भारत को यादगार जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड ने 47.5 ओवर में 258 रन बनाए। एक समय मेजबान टीम बिना किसी नुकसान के 61 रन बना चुकी थी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए 19 रन के भीतर पांच विकेट झटक दिए। संकट में फंसी इंग्लैंड की पारी को जो रूट (76) और लियाम डासन (68) ने संभाला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 121 रन जोड़कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से गेंदबाजी में भी अक्षर पटेल ने कमाल किया और 4 विकेट अपने नाम किए। प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जसप्रीत बुमराह और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली।

### अक्षर ने बनाया खास रिकार्ड

इस मुकाबले में अक्षर पटेल ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। वह वनडे क्रिकेट में एक ही मैच में 50 से अधिक रन बनाने और 4 विकेट लेने वाले भारत के छठे पुरुष क्रिकेटर बन गए। उनसे पहले हार्दिक पंड्या ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर वनडे में यह उपलब्धि हासिल की थी।

भारत की इस जीत के साथ तीन मैचों की वनडे सीरीज में मेहमान टीम ने 1-0 की बढ़त बना ली है।